बस इतनी तमन्ना है | By Mukesh Bagda |

दिन हो या अँधेरा हो
चाहे श्याम सवेरा हो
सोऊँ तो सपनों में
मैं श्याम तुम्हें देखूँ
घनश्याम तुम्हें देखूँ

बस इतनी तमन्ना है
ऐ श्याम तुम्हें देखूँ
घनश्याम तुम्हें देखूँ

सिर मुकुट सुहाना हो
माथे तिलक निराला हो
गले मोतियों माला हो
गले मोतियों माला हो
जब श्याम तुम्हें देखूँ
घनश्याम तुम्हें देखूँ
ऐ श्याम तुम्हें देखूँ
घनश्याम तुम्हें देखूँ

कानों में हो बाली
लटके लट घुँघराली
अधरों पर हो मुरली
अधरों पर हो मुरली
जब श्याम तुम्हें देखूँ
घनश्याम तुम्हें देखूँ
ऐ श्याम तुम्हें देखूँ
घनश्याम तुम्हें देखूँ

बाजूबंद हो बाहों में
पैजनियाँ पाँव में
होंठों पे कुछ हो हँसी
होंठों पे कुछ हो हँसी
जब श्याम तुम्हें देखूँ
घनश्याम तुम्हें देखूँ
ऐ श्याम तुम्हें देखूँ
घनश्याम तुम्हें देखूँ

चाहे घर हो नंदलाला
कीर्तन हो गोपाला
हर जग के नज़रों में
हर जग के नज़रों में
मैं श्याम तुम्हें देखूँ
घनश्याम तुम्हें देखूँ
ऐ श्याम तुम्हें देखूँ
घनश्याम तुम्हें देखूँ

कहता है कमल ऐ किशन

सौगात मुझे दे दो
जिस ओर नज़र फेरूँ
जिस ओर नज़र फेरूँ
बस श्याम तुम्हें देखूँ
घनश्याम तुम्हें देखूँ
ऐ श्याम तुम्हें देखूँ
घनश्याम तुम्हें देखूँ

बस इतनी तमन्ना है
ऐ श्याम तुम्हें देखूँ
घनश्याम तुम्हें देखूँ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%b8-%e0%a4%87%e0%a4%a4%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%a4%e0%a4%ae%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-mukesh-bagda-2/